

हुहुआना अ.क्रि. (अनु.) 1. आवेश में आकर 'हू-हू' शब्द करना 2. सियार के बोलने की आवाज।

हूँ अव्य. (अनु.) 1. किसी प्रश्न के उत्तर में स्वीकृति सूचक शब्द 2. समर्थन, मंजूरी, स्वीकृति का सूचक शब्द 3. किसी बात को सुनने के प्रति अपनी सचेतनता या सावधानता का सूचक-शब्द 4. किसी कारण न बोल सकने की दशा में मनाही का सूचक शब्द।

हूँ अव्य. (देश.) पुरानी हिंदी में प्रयुक्त अतिरेक बोधक शब्द जिसके जुड़ने से 'को' 'से' आदि अर्थ बनता है जैसे- तुमहू, हमहू, वाहू आदि पुं. (अनु.) 1. गीदड़ के बोलने का शब्द 2. जोर की हवा चलने से उत्पन्न हू-हू की ध्वनि।

हूँकना अ.क्रि. (अनु.) 1. बछड़े के बिछुड़ने पर या किसी कष्ट के कारण गाय का धीरे-धीरे बोलना, हुड़कना 2. सिसक-सिसक कर रोना 3. हुंकारना।

हूँकार पुं. (अनु.) 1. हुंकार, जोर से डाँटने, डपटने का शब्द 2. लड़ने-भिड़ने के लिए ललकारने का शब्द 3. चिल्लाहट, चीत्कार।

हूँठ वि. (तद्.) साढ़े तीन गुना।

हूँड़ स्त्री. (तत्.) रमैनी, किसानों द्वारा एक दूसरे को फसल कार्य में सहायता करने की प्रथा।

हूँत अव्य. (देश.) से (विभक्ति)।

हूँती अव्य. (देश.) राजस्थानी भाषा में हूँत की तरह से विभक्ति के स्थान पर प्रयुक्त होने वाला शब्द।

हूँस स्त्री. (देश.) (हूँसना) 1. रह-रह कर कुढ़ने और चिढ़ने की आदत, क्रिया, भाव 2. कुढ़ने और चिढ़ने के कारण लक्षित व्यक्ति पर पड़ने वाला दुष्परिणाम जैसे- बच्चे पर उसकी हूँस लग गई है 3. ईर्ष्या, द्वेष आदि के कारण मन में होने वाली कुढ़न या जलन।

हूँसना स.क्रि. (अनु.) 1. रह-रह कर कुढ़ना और चिढ़ते हुए किसी को बुरा-भला कहना 2. ईर्ष्या, द्वेष आदि के कारण बिगड़ते और डांट सुनाते रहना, कोसना।

हूँ हाँ स्त्री. (अनु.) किसी बात को सुनने पर उसकी प्रतिक्रिया, स्वीकृति में कहे जाने वाले हूँ या हाँ शब्द जैसे- मेरी बात पर उसने कोई हूँ-हाँ नहीं की।

हूक स्त्री. (तद्.) 1. कलेजे, छाती, पसली आदि में अचानक बहुत जोर से उठने वाली पीड़ा या शूल, कसक, टीस, पीड़ा, दर्द 2. घोर मानसिक कष्ट 3. आशंका।

हूकना अ. (देश.) 1. अचानक हूक या पीड़ा उठना, तीव्र दर्द होना 2. कोई कष्टदायक या उग्र बात जो मन को साल रही हो या वेदना पहुँचा रही हो, रह-रह कर पीड़ा या कष्ट देना।

हूखनि स्त्री. (देश.) हूक, पीड़ा, वेदना उदा. ऊख मयूख मयूखनि हूखनि लाग अहूख लखै सुर रूखे-देव कवि।

हूटना अ.क्रि. (देश.) 1. अलग या पृथक होना 2. विमुख होना, मुँह मोड़ना।

हूटिंग स्त्री. (अं.) 1. उल्लू का बोलना, उल्लू की आवाज 2. किसी व्यक्ति या उसकी बात के विरोध में शोरगुल मचाना या सीटी बजाना।

हूठना अ.क्रि. (तद्.) 1. हटना, अलग होना, टलना 2. किसी की ओर पीठ करना 3. घूमना, मुड़ना।

हूठा पुं. (देश.) 1. अंगूठा दिखाना, किसी को इच्छित वस्तु न देकर उसे चिढ़ाने के लिए अंगूठा दिखाने की अशिष्ट मुद्रा, ढेंगा 2. स्त्री की दोनों हाथों की मुट्ठियाँ बाँध कर उन्हें कमर पर रखते हुए मटक कर चलने की क्रिया या भाव।

हूड़ वि. (देश.) 1. उजड़ड, गंवार 2. अनाड़ी, मूर्ख 3. जिद्दी, हठी।

हूण पुं. (तद्.) 1. एक प्राचीन असभ्य और क्रूर मंगोल जाति जो चीन की पूर्वी सीमा पर लूट-पाट किया करती थी 2. बहुत बड़ा उजड़ड या क्रूर व्यक्ति 3. एक स्वर्ण मुद्रा।

हूणा अव्य. (तत्.) होना।

हूत वि. (तद्.) आमंत्रित, बुलाया हुआ, आहूत।